[श्री रामधारी शास्त्री]

का ध्यान इस ओर दिलाया गया मगर कोई जवाब उनकी ओर से नहीं मिलता और इस का कोई सात्यशन नहीं मिलता। .... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You must confine yourself to the statement. You cannot travel outside. You must read only about this matter.

श्री राम धारी शास्त्री : स्टेटमेंट की बात ही कह रहा हूं ।

मेरा निवेदन है कि सरकार इस पर ध्यान दे और इन फैक्टरियों को खुद चलाये। हमने लेबर मिनिस्टर को एक चिट्ठी लिखी थी जिसका जवाब 6 महीने के बाद उन्होंने दिया। इसलिए आपके माध्यम से मैं निवेदन करूंगा कि वह कान में तेल डाल कर सोयें नहीं, जरा इधर ध्यान दें ।

(ii) NEED FOR REOPENING OF RAILWAY SPONSORED STUDENTS HOSTEL AT PATNA JUNCTION.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहूंगा, हमें अफसोस इस बात का है कि हमारे मंत्री लोग यदि कहीं जाते हैं और प्रेस के सामने या जनता के सामने कोई आश्वासन देते है या कोई घोषणा करते हैं तो उसके बाद उनका उसके ऊपर कोई ध्यान रहता है या नहीं ? इसी तरह की छात्रों से संबंधित यह एक घटना है।

रेल सम्पोषित छात्रावास, पटना जंकशन विगत 20 वर्षों से चल रहा था। इस छात्रावास को जे०पी० आन्दोलन समर्थित तत्वों का अड्डा बतला कर आपातकाल में रायफल की नोक पर छात्रों से बलपूर्वक खाली करवाया गया तथा सी०आर०पी० के हवाले कर दिया गया। उक्त छात्रावास को अविलम्ब चालू करने के लिए मंत्री एवं उच्चाधिकारियों का ध्यान बार-बार आकृष्ट किया गया। विभिन्न प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से भी रेल मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया गया। 10 जुलाई, 77 को रेलवे मेन्स यूनियन पटना की खुली सभा में बिहार के मुख्य मंत्री ने उक्त छात्रावास से सी०आर०पी० को हटाने का आश्वासन दिया, जिसे उन्होंने तुरन्त पूरा भी किया। 27 सितम्बर, 77 को रेल राज्य मंत्री ने पटना में महाप्रबन्धक, छात्रों तथा प्रेस प्रतिनिधियों के बीच छात्रावास को अविलम्ब खोलने की घोषणा की। मैंने भी इस संबंध में कई बार लिखित तथा मिल कर मंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट किया। विद्यार्थियों ने सितम्बर 77 में छात्रावास खुलवाने हेतु 9 दिन तक अनशन भी किया। लेकिन रेल अधिकारियों की लालफीताशाही के कारण अभी तक उक्त छात्रावास को नहीं खोला गया है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री से आग्रह करूंगा कि विद्यार्थियों को ऐसा मौका न दें जिससे गलत दिशा की तरफ अग्रसर हों। छात्रों में काफी रोष है। उनका भविष्य अन्धकारमय है। एक ओर करोड़ों रुपया रेल कल्याण पर खर्चा किया जा रहा है और दूसरी ओर बनी बनाई संस्था को खत्म करना न्याय-संगत नहीं है। छात्रावास को शीघ्र खोला जाय तथा जिन अधिकारियों के कारण अभी तक छात्रावास खुल नहीं पाया है उन्हें दण्डित किया जाय।

रेल मंत्री (प्रो० मधु दण्डवते) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सिलसिले में एक निवेदन करना चाहता हूं। पासवान जी ने जो बयान दिया है इसी सिलसिले में छात्रावास के चन्द नुमाइन्दे मुझे मिले थे। मैंने इस सारे सवाल की जांच की है और यह बताते हुए मुझे प्रसन्नता होती है कि कल ही इस सिलसिले में अन्तिम निर्णय हम लेंगे और परसों आपको इसका निर्णय बता देंगे।